NT>

Title: Need to bring in a legislation to set up the Indian National Rural Bank.

श्री सुरेश चन्देल (हमीरपुर, हि.प्र.) : महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन, भारत सरकार तथा देश का ध्यान आल इंडिया ग्रामीण बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन एवं आल इंडिया ग्रामीण बैंक आफिसर्स आर्गेनाइजेशन के आह्वान पर देश के 26 राज्यों में कार्यरत 196 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों से आए हजारों ग्रामीण बैंककर्मियों की ओर आकर्ति करना चाहता हूं जो आज जन्तर-मन्तर पर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी मांग है कि एम.वी. चलपतिराव समिति की सिफारिशें जो जन विरोधी तथा ग्रामीण बैंक ि वरोधी हैं, उन्हें पूर्ण रूप से निरस्त किया जाए तथा ग्रामीण साख व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए देश के सभी 196 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को मिलाकर शीघ्र ि वधेयक लाकर भारतीय राट्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना की जाए।

महोदय, इन बैंकों ने दिनांक 31-03-2001 तक, कुल मिलाकर 1265 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया है जो राट्रीय ग्रामीण बैंक के गठन का समुचित आधार है। भारतीय राट्रीय ग्रामीण बैंक की मांग इस सदन में र्वा 1993 से की जाती रही है और समय-समय पर इस सदन के सांसद इस मांग का समर्थन कर चुके हैं।

महोदय, दिनांक 28-08-1992 को नाबार्ड के अध्यक्ष एवं दिनांक 05 सितम्बर, 1992 को भारतीय रिजर्व बैंक समेत अन्य व्यावसायिक बैंकों के ग्रुप के द्वारा भी इस मांग को स्वीकृत किया गया था। वित्त मंत्रालय की स्थाई संसदीय समिति ने अपने चौथे प्रतिवेदन में भारतीय राट्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना की अनुशंसा की थी। मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि चलपतिराव कमेटी की सिफारिशों को निरस्त किया जाए और भारतीय राट्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना की घोाणा तत्काल की जाए ताकि उन्हें न्याय मिल सके।

श्री शिवाजी माने (हिंगोली) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको माननीय सदस्य श्री सुरेश चन्देल से सम्बद्ध करता हूं। इसकी आप मुझे अनुमति प्रदान करें।

उपाध्यक्ष महोदय : ठीक है, मैं आपको इस विाय से एसोसिएट करने की अनुमति प्रदान करता हूं।